भारत सरकार
संचार मंत्रालय
दूरसंचार विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 678

पूर्वोत्तर राज्यों में 4जी और 5जी कनेक्टिविटी का विस्तार

678. श्री अमरसिंग टिस्सो:

क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) असम और अन्य पूर्वोत्तर राज्यों, विशेषकर कार्बी आंगलोंग और दीमा हसाओ के ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में 4जी और 5जी नेटवर्क विस्तार की वर्तमान स्थिति क्या है;
(ख) पहाड़ी और सीमावर्ती जिलों में नेटवर्क कवरेज की कमी को दूर करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं; और
(ग) क्या सरकार ने इस क्षेत्र में सम्पूर्ण मोबाइल कवरेज के लिए कोई समय-सीमा निर्धारित की है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
संचार एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री
(डॉ. पेम्मासानी चंद्र शेखर)

(क) से (ग) अक्टूबर, 2025 तक, असम राज्य सहित पूर्वोत्तर के राज्यों में कुल 45,934 गांवों में से 43,088 गांव और 5,606 गांव (भारत के महारजिस्ट्रार के आंकड़ों के अनुसार) क्रमशः 4जी और 5जी मोबाइल कनेक्टिविटी से कवर हो चुके हैं। इसके अलावा, कार्बी आंगलोंग और दीमा हसाओ जिले में कुल 3,017 गांवों में से 2,886 गांव और 108 गांव क्रमशः 4जी और 5जी मोबाइल कनेक्टिविटी से कवर हो चुके हैं।

दूरसंचार सेवा प्रदाता (टीएसपी) सेवा से वंचित आबादी वाले किसी भी गांव में मोबाइल कवरेज तकनीकी-व्यावसायिक व्यवहार्यता के आधार पर प्रदान करते हैं। सरकार, डिजिटल भारत निधि (डीबीएन) से वित्तपोषण के माध्यम से देश के ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों में 4जी मोबाइल टावरों की संस्थापना के माध्यम से दूरसंचार कनेक्टिविटी के विस्तार के लिए कई स्कीमें कार्यान्वित कर रही है।

*****